RNI No.-MAHBIL/2016/66409
Postal Registration No.-PCE / 089 / 2016-2018
License to Post without
prepayment No.-WPP-255/31.12.2018
Post Customer ID-4000004011

BJS
Bharatiya Jain Sanghatana

भारतीय जैन संघटना समाचार



श्री शांतीलाल मुथ्था
संस्थापक

Editor - Prafulla Parakh

वर्ष 3 अंक 4 | मूल्य - रू.1/- | अप्रैल 2018 | पृष्ठ - 8



शांतियात्रा



सामूहिक विवाहों का आयोजन



अनाथ बच्चों का
शैक्षणिक पुनर्वसन



नैतिक मूल्य आधारित
पाठ्यक्रम –मूल्यवर्धन



प्लास्टिक सर्जरी



स्मार्ट गर्ल कार्यक्रम



अकालग्रस्त क्षेत्र में पशुओं की सुरक्षा







दुष्काल मुक्ति हेतु सार्थक प्रयास

सेवा ही धर्म है

राष्ट्रीय अध्यक्ष की कलम से.....2
मंथन: महावीर को नारों में नहीं
व्यवहार में जियें 3
iBuD Dubai.....4
बीजेएस गतिविधियाँ एवं समाचार ..5-6
अल्पसंख्यक सूचनाएँ,
गतिविधियाँ एवं समाचार 7
आगामी परिचय सम्मेलन 8



प्रिय आत्मजन,

वर्ष 2017-18 का व्यावसायिक वित्त वर्ष 31 मार्च को समाप्त हुआ. सरकारों से लेकर व्यावसायिक घरानों तथा व्यक्तिगत स्तर पर हम सभी इसी उधेड़बुन में रहते हैं कि निर्धारित किये गए वार्षिक लक्ष्य वर्षांत से पूर्व येन-केन प्रकार से हासिल कर लें. लक्ष्यों सहित का जीवन हममें उस उर्जा का संचार करता है जो प्रगति के लिए आवश्यक है. प्रगति से ही खुशहाली संभव है. खुश रहने का मानव सहज अधिकार से जागृत करने हेतु संयुक्त राष्ट्र संघ समस्त विश्व में 'इंटरनेशनल डे ऑफ़ हेप्पिनेस' 20 मार्च को प्रतिवर्ष मनाता है. व्यस्त, ग्रस्त और त्रस्त जीवन के ज्वालामुखी पर बैठा आज का मानव शांति के महासागर की अपेक्षा भले ही रखता हो किन्तु यह ध्येय नहीं हो सकता क्योंकि शांति एक निष्क्रिय अवस्था है. अशांत स्थितियों की अनुपस्थिति को शांति में खपाने की मनोवृत्ति सरोवर के उस जल की तरह है जो स्थिर है. आशावादी या उत्साहवर्धक बनने की जगह शांति की खोज हमें निराशावादी या उदासीन बनाती है. सही खोज तो आनंद की होनी चाहिए क्योंकि यह विधेयात्मक है, आशा और उत्साह का संचार करने वाला है. मानव जीवन सरोवर के स्थिर जल की जगह पर्वत से कल-कल करते बहते हुए प्रसन्न झरने जैसा होना चाहिए. विश्व में अब अनेक देश हैं जिनकी प्रगति का पैमाना आर्थिक न होकर खुशहाली है. हम स्वयं खुश रहें व सबको खुशहाल करें, यही हमारा ध्येय होना चाहिए.

सर्वोच्च न्यायालय ने हाल ही में एक महत्वपूर्ण फैसले में कुछ शर्तों के अधीन इच्छा मृत्यु को मान्य किया है. जीवन जीने के साथ गरिमापूर्ण मृत्यु के भी समावेश का अधिकार सर्वोच्च न्यायालय ने उन व्यक्तियों को दिया जो कृत्रिम तरीकों (Life Support System) से श्वांस ले रहे हैं. किन्तु इस विषय में जैन समुदाय सोश्यल मीडिया में भ्रामक प्रचार में व्यस्त रहा. इतना ही नहीं राजस्थान उच्च न्यायालय के फैसले के विरुद्ध इसे सर्वोच्च न्यायालय में की गयी अपील से जोड़कर जीत में खपा दिया गया. यहाँ तक कि हम सर्वोच्च न्यायालय में जीत गए हैं, ऐसे समाचारों की बाढ़ सी आ गई. बिना सोचे समझे, इस तरह के कृत्य से हमने स्वयं ही जैन धर्म और दर्शन की गरिमा को कम किया है, क्योंकि संथारा या सल्लेखना इच्छा मृत्यु कतई नहीं है. मृत्यु एक स्वाभाविक प्रक्रिया है जिसे गरिमामयी व कलापूर्ण बनाना ही संथारा या सल्लेखना का उद्देश्य है, जबकि इच्छा मृत्यु का कारण मात्र मजबूरी या परिस्थितियां हो सकती हैं. जिस तरह प्रकाशमान दीपक का तेल शनैः शनैः कम होता जाता है और वह पूर्ण आयुष को प्राप्त करता है उसी तरह हमारे जीवनरूपी दीप का तेल भी जलता जा रहा है जो अंततः बुझेगा ही. भय, संकोच, चिंता, विस्मय आदि के बिना दैहिक त्याग की सहज प्रक्रिया से मृत्यु का साक्षात्कार ही संथारा/सल्लेखना है. जैन दर्शन जीने की कला के साथ मरने की कला भी सिखाता है जिसमें अमर होने का नहीं अपितु मृत्युंजय होने का भाव है. यह हमारा उत्तरदायित्व है कि जैन संस्कृति का एक महत्वपूर्ण सौपान संथारा को विश्व पटल पर तार्किक रूप से प्रस्तुत करें. इस विषय में जैन समुदाय की वैचारिक एकता अनिवार्य है ताकि सर्वोच्च न्यायालय में संथारा को जीवन की आदर्श कला के रूप में तर्कों व प्रमाणों के साथ प्रस्तुत किया जा सके.

मित्रों! 29 मार्च को भ. महावीर जन्म कल्याणक सम्पूर्ण विश्व में बड़े उत्साह के साथ मनाया गया. भ. महावीर की वाणी व उपदेशों से विश्व को परिचित कराने हेतु यह दिन सविशेष है. किन्तु अहिंसामय और खुशहाल विश्व की संकल्पना को मूर्तरूप देने हेतु भ. महावीर के सिद्धांतों को समझने व अपनाने के सन्देश पूरे वर्ष भर समस्त विश्व को देने की आवश्यकता है. 'जिओ और जीने दो' को सही परिप्रेक्ष्य में समस्त विश्व के समक्ष रखने के साथ सभी मानवजन योग्य तरीके से जीवन जी सके ऐसी परिस्थितियों का निर्माण करना हमारा उत्तरदायित्व है. श्री शांतीलालजी मुथ्था के नेतृत्व में भारतीय जैन संघटना भ. महावीर के सिद्धांतों एवं उपदेशों को अमल में लाते हुए एक खुशहाल मानव समाज के निर्माण हेतु गत 33 वर्षों से कार्यरत है.

प्रफुल्ल पारख
राष्ट्रीय अध्यक्ष, भारतीय जैन संघटना

संपादक
प्रफुल्ल पारख, पुणे

कार्यकारी संपादक
निरंजन कुमार जुंवा जैन, अहमदाबाद

सदस्य
कैलाशमल दुगड़, चैन्नई सुरेश कोठारी, अहमदाबाद सुदर्शन जैन, बड़नेरा, वीरेंद्र जैन, इंदौर
महेश कोठारी, गोंदिया, संजय सिंघी, रायपुर, राजेंद्र लुंकड़, इरोड़

मंथन

महावीर को नारों में नहीं व्यवहार में जियें

सेवा ही धर्म

इस वर्ष 29 मार्च को भगवान महावीर जन्म कल्याणक भारत सहित समस्त विश्व में मनाया गया. भगवान महावीर के सिद्धांत अहिंसा, अनेकांत, अपरिग्रह आदि तथा सन्देश 'जियो और जीने दो' की प्रासंगिकता आज पहले से कहीं अधिक है. हिंसा, घृणा, अशांति, वैमनस्य आदि वृत्तियां विकराल रूप धारण कर समस्त सृष्टी के विध्वंस का कारण बनने पर आमादा है.

भगवान महावीर जैन धर्मावलम्बियों के अंतिम तीर्थंकर के रूप में गत 2600 वर्षों से पूजे जा रहे हैं. यह हमारा सौभग्य है कि कल्याणमयी विश्व की संकल्पना करने वाले भ.महावीर विश्व में अब तक हुए समाजशास्त्रियों में सर्वश्रेष्ठ हैं और उनके द्वारा प्रतिपादित सिद्धांतों पर चलकर विश्व ही नहीं अपितु समस्त सृष्टी का कल्याण संभव है.

हम भ.महावीर जन्म कल्याणक पर प्रभात फेरियों व जुलूस प्रदर्शन आदि से सत्य और अहिंसा के संदेश को जन-जन तक पहुँचाने का प्रशंसनीय प्रयास करते हैं, किन्तु यह मंथन का भी विषय है कि हम वास्तविक जीवन में भ.महावीर के सिद्धांतों को चरितार्थ करने के लिए क्या कर रहे हैं ?

भारतीय जैन संघटना एक सामाजिक संस्था है, जिसने भ.महावीर के सिद्धांतों व संदेशों पर आधारित मानव सेवा के कार्य को ही अपना धर्म समझा है. यह विगत 33 वर्षों से जात-पात, पंथ-भेद, क्षैत्र आदि से ऊपर उठकर मात्र मानव कल्याण के कार्य हेतु समर्पित है. जैन धर्मावलम्बियों में विभिन्न वर्गों के व्यक्ति हैं, जैसे धर्म पर श्रद्धा रखने वाले, कर्म काण्डों को मानने वाले, जैन दर्शन के पक्के अनुयायी और प्रगतिशील अनुयायी आदि सम्मिलित हैं. भारतीय जैन संघटना सच्चे अर्थों में जैन धर्म का प्रगतिशील अनुयायी है. भ.महावीर के विभिन्न उपदेश जैसे- अहिंसा, अपरिग्रह, जियो और जीने दो, जीव दया, ज्ञान, दर्शन, चारित्र, सहिष्णुता, सेवा, परोपकार आदि पर समय के बदलाव के साथ आज की जरूरत को समझकर कार्य कर रही है.

अहिंसा

1993 में बाबरी मस्जिद के ढहने से देशभर में सांप्रदायिक दंगे भड़क उठे. दो समुदाय एक-दूसरे के खून के प्यासे हो गये. ऐसी असामंजस्यता की स्थिति ने समाज में सौहार्द के ताने-बाने को लगभग नष्ट-सा कर डाला था. महाराष्ट्र जैसे राज्य में स्थितियाँ चिंतनीय थीं. भारतीय जैन संघटना के संस्थापक आ.श्री शांतीलालजी मुथ्था ने निर्णय लिया कि हिंसा के इस तांडव में हम शांति व अहिंसा का प्रचार कर सौहार्द स्थापित करेंगे. पुणे से नागपुर तक शांति यात्रा का आयोजन किया गया. श्री मुथ्थाजी के नेतृत्व में आचार्य चिदानंद स्वामी, मौलाना वहीदुद्दीन खान, आचार्य सुशील मुनि, समाजसेवी अन्ना हजारे, जस्टिस धर्माधिकारी, पद्म विभूषण श्री गोविंदभाई श्राफ जैसे अनेक मान्यवर आदि सभी ने शहर-शहर, गांव-गांव में एक ही मंच से शांति और सौहार्द की अपील की. इस पदयात्रा का जनमानस पर व्यापक प्रभाव पड़ा व सामान्य स्थिति के निर्माण में यह सहायक रही.

अपरिग्रह

जैन समुदाय में स्पर्धा व दिखावे की भावना से वैवाहिक कार्यक्रमों में किए जाने वाले आर्थिक अपव्यय ने एक परंपरा का स्वरूप धारण किया. जिसका मूल कारण परिग्रह वृत्ति है. ऐसा देश जो गरीबी में डूबा हो और जहाँ सामान्य व्यक्ति के लिए जीवन निर्वहन समस्या स्वरुप हो, ऐसा अपव्यय समाज व देश के हित में नहीं है. भारतीय जैन संघटना ने समस्या के समाधान में सामूहिक विवाह की संकल्पना 1986 में समाज के समक्ष रखी. जिनमें क्षमता होती है वे असीमित धन अर्जित कर अन्य लोगों की भलाई के लिए खर्च करते हैं, तो वह परिग्रह नहीं अपितु अपरिग्रह कहलाता है. भारतीय जैन संघटना ने लोगों के समक्ष ऐसे उदाहरण प्रस्तुत किये कि धनवान व्यक्ति अपने पारिवारिक वैवाहिक आयोजनों में अपने परिवार के वैवाहिक जोड़े के साथ-साथ अन्य अनेक परिवारों के जोड़ों को भी शामिल करता है, जिससे समाज को नयी दिशा व गरीब वर्ग को राहत मिली. अनेक धर्मों व जातियों ने कालान्तर में सामूहिक विवाह को अपनाया. यह आदर्श परंपरा वर्तमान सामाजिक सन्दर्भों में भी पूर्णत: प्रासंगिक है. अपरिग्रह सिद्धांत के प्रयोग का यह श्रेष्ठ उदाहरण है.

सम्यक ज्ञान, दर्शन एवं चारित्र

सम्पूर्ण समाज व विशेषकर विद्यार्थी तथा युवा पीढ़ी सामाजिक मूल्यों को आत्मसात करे, इस हेतु नैतिक शिक्षा के कार्यक्रम 'मूल्यवर्धन' का निर्माण किया गया, जिसमें प्रजातांत्रिक मूल्यों को समझाने के उद्देश्य से मूल्यों आधारित शिक्षा के साथ पोषण, देखभाल व उत्तरदायित्वों के सन्दर्भ में उन्हें आदर्श नागरिक बनाने का प्रयोग सफल रहा है. अब महाराष्ट्र एवं गोवा राज्यों के प्राथमिक शिक्षण पाठ्यक्रम में इसका समावेश हुआ है. नयी युवा पीढ़ी इन तीनों सम्यक ज्ञान, दर्शन एवं चारित्र से नव-पल्लवित हो, ऐसे प्रयास बीजेएस द्वारा किये जा रहे हैं.

जीव दया

प्रकृति के रौद्र रूप के परिणामस्वरूप महाराष्ट्र में वर्ष 2013 में अकाल व सूखे की स्थिति बनी. लोगों की दयनीय दशा, गाँवों से मजबूरी में पलायन, मवेशियों को कत्लखाने में बेचकर जीवन निर्वाह को लाचार किसानों की सहायता करने का बीड़ा भारतीय जैन संघटना ने उठाया. महाराष्ट्र के 7 जिलों में 28 शिविरों की स्थापना कर किसानों के 10 हजार मवेशियों को 100 दिनों तक पनाह दी गयी. मध्यप्रदेश के अशोकनगर से प्रोटीनयुक्त चारा विशेष रेलगाड़ी द्वारा लाकर इन मवेशियों को प्रतिदिन आहार में दिया गया. इसके अतिरिक्त दैनिक उपचार, देखभाल व प्रत्येक मवेशी का बीमा आदि की व्यवस्थाएं की गयीं.

इसी तरह वर्ष 2017 में राजस्थान में आई प्रलयंकारी बाढ़ के पश्चात् सिरोही व जालौर जिलों में हजारों पशुओं के लिए 'शेड' निर्माण कर स्थानीय संस्थाओं को सुपुर्द किये गये.

व्यापक स्तर पर आवश्यकता के अनुरूप जीवों की रक्षा हेतु बीजेएस सदैव तत्पर रहता है.

शिक्षा दान

पिछले 25 वर्षों में जब-जब भी देश में नैसर्गिक आपदा आई, तब-तब प्रभावित परिवारों के बच्चे शिक्षा से वंचित होने की स्थिति में आये. भारतीय जैन संघटना का विश्वास है कि बच्चें 4-6 माह की अवधि के लिए यदि शिक्षा से वंचित रह गये तो वे कभी स्कूलों में नहीं जा पायेगें तथा भटकते हुए दिशाहीन रहेगें, अत: उन्हें स्कूलों में तुरंत प्रवेश दिया जाना चाहिए. महाराष्ट्र के लातूर में 1993 में आये भूकंप से आपदाग्रस्त 1200 विद्यार्थी, 1996 में जबलपुर में आये भूकंप से पीड़ित 50 विद्यार्थी, जम्मू काश्मीर के भूकंपग्रस्त 500 विद्यार्थियों आदि का शैक्षणिक पुनर्वसन पुणे के भारतीय जैन संघटना शैक्षणिक पुर्नवसन प्रकल्प में कक्षा 5वीं से स्नातक होने हेतु किया गया. वर्ष 2001 में गुजरात में आये विनाशकारी भूकंप के पश्चात् मात्र 90 दिनों में 368 Pre-fabricated स्कूलों का निर्माण कर तत्कालीन प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी के शुभ हस्ते गुजरात सरकार को लोकार्पण किया गया, जिसमें हजारों विद्यार्थियों की शिक्षा जारी रह सकी.

शेष पृष्ट 7 पर ....

व्यावसायिक संभावनाओं से भरपूर रहा – iBuD Dubai टूर

- "Turning Point of Life" - said candidates



प्रमुख बिन्दू :

- सभी प्रतिभागियों को Business Sessions पर 'डेली नोट्स' बनाना एवं चेक करवाना अनिवार्य था.
- टूर में शामिल देश के विभिन्न राज्यों के नवउद्यमियों को परस्पर Networking का लाभ मिलेगा.
- सभी 31 प्रतिभागी देश के 6 अलग-अलग शहरों के एयरपोर्ट से सीधे शारजाह पहुंचे.
- सभी प्रतिभागियों ने iBuD Dubai tour को अपने जीवन का Turnning Point बताया.

भारतीय जैन संघटना द्वारा युवा उद्यमियों हेतु व्यापार विकास, टेक्नोलॉजी, नवीन उपक्रम, देश-विदेश में आयात-निर्यात की संभावनाएं इत्यादि से भरपूर iBuD (Igniting Business Development) के 4 टूर प्रोग्राम विगत 2 वर्षों में देश में आयोजित किये गये थे. नव उद्यमियों के लिए देश के बाहर भी व्यवसाय विकास की अपार संभावनायें है. इन संभावनाओं की तलाश हेतु इस वर्ष भारतीय जैन संघटना ने 20 से 24 मार्च तक 5 दिवसीय इंटरनेशनल टूर 'iBuD Dubai' का आयोजन किया. राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री प्रफुल्ल पारख एवं राष्ट्रीय महामंत्री श्री राजेंद्र लुंकर ने 'iBuD Dubai' का नेतृत्व किया. देश भर से 20 से 40 आयु के 31 युवक एवं युवतियों ने प्रतिभागिता की. ये सभी युवा अलग-अलग राज्यों से थे जो व्यवसायरत, नव उद्यमी एवं ऐसे भी थे जो उद्योग क्षेत्र में कदम रखना चाहते हैं, इस टूर में शामिल हुए.

विश्व मानचित्र में मिडिल ईस्ट के देशों एवं अफ्रीका में व्यवसाय करने के लिए दुबई अति महत्वपूर्ण स्थान है. इन देशों में आने-जाने के लिये मात्र 3 से 6 घंटे का समय तय करना होता है. दुबई एक Free Port के रूप में प्रख्यात है. वर्ष 2017 तक यहां किसी प्रकार का Tax लागू नही था, जनवरी 2018 से मात्र 5% वेट लागू किया गया. यहां Income Tax नहीं है. महत्वपूर्ण यह है कि UAE एक शांतिपूर्ण देश है एवं अपराध की दर शून्य है. इन सब विशेषताओं के मद्देनजर दुबई में व्यापार की अपार संभावनायें हैं.

भविष्य की अपार संभावनाओं का केंद्र बनकर पूरे विश्व पटल पर उभरते दुबई में 20 अक्टूबर, 2020 से 'Dubai Expo' का विशाल आयोजन होने जा रहा है, जो 6 माह तक चलेगा. इस दौरान पूरे विश्व से 5 करोड़ लोगों के शामिल होने की संभावना है. Dubai Expo हेतु अभी से इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट और आयोजन को लेकर तैयारिया जोरों पर है. सम्भावना है कि वर्तमान में UAE के 90 लाख की जनसँख्या Dubai Expo के बाद बढ़कर दुगुनी हो जायेगी. बढ़ी हुई आबादी भी व्यापार की संभावनाओं को ओर बढ़ायेगी.

iBuD Dubai Bussiness Session में श्री संजीव जैन ने गोल्ड एवं डायमंड व्यवसाय की जानकारी से अवगत कराते हुए दुबई में व्यापार की संभावनाएं एवं चुनौतियों पर मार्गदर्शन दिया. इसी प्रकार श्री नितिन चौहान ने रियल इस्टेट, श्री हरीश गांधी ने लैंड स्केपिंग, श्री संजय मेहता ने सेनेटरीवेयर्स व सिरामिक, श्री केशर कोठारी एवं श्री अक्षय कोठारी ने टेली कम्युनिकेशन एवं इलेक्ट्रिक साल्यूशन, श्री आशीष शाह ने रेडिमेड गारमेंट व टेक्स्टाईल्स, श्री अभिजीत सालेचा ने अनाज व किराणा, श्री जसानी ने गिफ्ट आर्टिकल व स्टेशनरी पर मार्गदर्शन किया. मीडिया सिटी के श्री अब्दुल शफी ने इवेंट मैनेजमेंट व Conduct to Big Exhibitions Event तथा AZIZI के डायरेक्टर श्री राबिन कोठारी ने दुबई में प्रापर्टी निवेश पर जानकारी दी. CA श्री विपुल कोठारी ने दुबई में व्यापार करने हेतु नियम कायदे की जानकारी भी इन युवा उद्यमियों को दी. उपरोक्त सभी वक्ताओं ने युवा उद्यमियों की शंकाओं का समाधान भी किया.

खुला आमंत्रण :

iBuD Dubai में मार्गदर्शन करने आये हुए सभी उद्यमियों ने युवा प्रतिभागियों को दुबई में व्यापार की संभावनायें तलाशने, मार्केट सर्वे आदि के लिये 3 से 4 माह तक अपने कार्यालय का उपयोग करने, उनके संपर्क का उपयोग करने हेतु खुला आमंत्रण भी दिया एवं भरपूर सहयोग हेतु आश्वस्त किया.



भ्रमण – मनोरंजन :

31 प्रतिभागियों ने दुबई में जहाँ उद्यम विकास की संभवनाओं पर मार्गदर्शन प्राप्त किया वहीं दर्शनीय स्थलों का भ्रमण एवं मनोरंजन भी किया. विश्व की सबसे ऊँची बिल्डिंग 'बुर्ज खलीफा' के 124वीं मंजिल, विश्व के सबसे बड़ा माल-दुबई माल, विश्व की प्रसिद्ध मस्जिद 'जुमेराह' का भ्रमण किया. आबुधाबी में फरारी वर्ल्ड एवं डाऊन-टाऊन एरिया भी पहुंचे. साथ ही अनेकों दर्शनीय स्थलों का आनंद लिया.



बीजेएस के 300 कार्यकर्ता महाराष्ट्र के 3000 गांवों को सूखा मुक्त करने हेतु मैदान में.....

बीजेएस-पानी फाउन्डेशन का महाराष्ट्र दुष्काल मुक्ति अभियान गतवर्ष की तरह इस वर्ष भी व्यापक स्तर पर संचालित होगा. पानी फाउन्डेशन के 'वॉटर कप स्पर्धा' में महाराष्ट्र के 24 जिलों के 75 तालुकाओं के 3000 गांव भाग लेंगे. प्रत्येक गांव से चयनित ग्रामवासियों को प्रशिक्षण देने का कार्य पूर्ण किया जा चुका है. स्पर्धा में भाग लेने वाले गांव 8 अप्रैल से 22 मई, 2018 तक श्रमदान कार्य पूरा करेगें. गांव के जिस स्थान में मानव श्रमदान संभव नहीं होगा वहां का कठिन खुदाई का कार्य मशीन से पूर्ण करने का निश्चय बीजेएस द्वारा किया गया है. इसकी तैयारियों के भाग रूप 75 तालुकाओं में कोआर्डिनेटर्स नियुक्त किये गये है.



इस अभियान में बीजेएस और पानी फाउन्डेशन की संयुक्त कार्य पद्धति पर बीजेएस के पदाधिकारियों एवं तालुका कोआर्डिनेटर्स को 24-25 मार्च, 2018 को प्रशिक्षण दिया गया. संस्था के संस्थापक आ.श्री शांतीलालजी मुथ्था से तालुका कोआर्डिनेटर्स के उत्तरदायित्वों और कार्यप्रणाली की विस्तृत जानकारी प्राप्त हुई. ग्राम श्रमदान के पश्चात् अलग-अलग गांवों में आवश्यकता अनुरूप बीजेएस द्वारा खुदाई कार्य हेतु प्रदान की जाने वाली मशीनों का रिकार्ड कैसे रखना, रिपोर्टिंग का तरीका, जेसीबी और पोकलेन मशीन मालिकों के साथ करार, मशीन का नियोजन-व्यवस्थापन आदि पर मुख्य रूप से प्रशिक्षण दिया गया. समस्त जानकारी 'मोबाईल एप' में फीड करने का प्रशिक्षण पानी फाउन्डेशन के श्री इरफ़ान ने दिया.

दिनांक 25 मार्च को वाघोली पुणे स्थित शैक्षणिक पुर्नवसन केंद्र में बीजेएस पदाधिकारियों और नियुक्त किए गए कोआर्डिनेटर्स से संस्थापक आ.श्री शांतीलालजी मुथ्था एवं पानी फाउन्डेशन के श्री सत्यजीत भटकल ने विचार-विमर्श किया. महाराष्ट्र राज्य में सूखे की स्थिति निर्मित होने के कारणों को उदाहरण सहित उल्लेख करते हुए 'यह एक युद्ध है जिसे कैसे जीतना है' विषय पर मार्गदर्शन दिया.

'सुजलाम-सुफलाम'
बुलडाणा जिले में सूखा मुक्ति अभियान निरंतर प्रगति की ओर.....

भारतीय जैन संघटना द्वारा 'सुजलाम-सुफलाम' के अंतर्गत महाराष्ट्र सूखा मुक्ति अभियान का शुभारम्भ माननीय श्री देवेन्द्रजी फडणवीस मुख्यमंत्री-महाराष्ट्र, आ. श्री नितिनजी गडकरी केन्द्रीय परिवहन मंत्री एवं श्री शांतीलालजी मुथ्था संस्थापक बीजेएस के करकमलों से बुलडाणा में 3 मार्च, 2018 को हुआ था. ज्ञात हो कि महाराष्ट्र सरकार के साथ भारतीय जैन संघटना ने संपूर्ण बुलडाणा जिला सूखामुक्त करने हेतू एक करार (MoU) पर हस्ताक्षर किए गए, जो निश्चित ही देश के इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में अंकित होगा.

उद् घाटन समारोह के तुरंत पश्चात, दिनांक 4-5 मार्च को सभी मशीन ऑपरेटरों को सुरक्षा तथा आरोग्य हेतु प्रशिक्षित किया गया. 6 मार्च को 120 जेसीबी तथा 14 पोकलेन मशीनों को बुलडाणा जिले के विभिन्न गांवों में रवाना किया गया. विभिन्न गांवों में पहुंची इन मशीनों का अद्भुत जोश और उत्साह के साथ तालुका के तहसीलदार, गट विकास अधिकारी आदि की उपस्थिति मे ग्रामजन ने स्वागत किया व ग्राम महिलाओं ने मशीनों की पूजा तथा आरती कर वातावरण को भाव-विभोर बना दिया. इतना ही नही सभी मशीन ऑपरेटर तथा हेल्पर भाईयों के निवास, भोजन की संपूर्ण जिम्मेदारी ग्रामीण महिलाओं ने उठा ली. 7 मार्च से बुलढाणा के 13 तहसील के 44 गांवों में प्रतिदिन प्रात: 8 बजे से लेकर सांयकाल 7 बजे तक चलने वाले खुदाई कार्य से हजारों ट्राली मिट्टी निकालना शुरू हो गई. निकाली गई मिट्टी खेतों में फैलाना और उस माध्यम से खेतों को सुपीक बनाना आसान हो गया है. बुलडाणा जिले के इतिहास में इस तरह का कार्य पहली बार किसी स्वयंसेवी संस्था ने इतने व्यापक स्तर पर शुरू किया है.

'सुजलाम-सुफलाम' प्रकल्प की यशस्विता हेतु जिल्हाधिकारी डॉ. चंद्रकांत पुलकुंडवार के नेतृत्व में सभी तालुकाओं के तहसीलदार, बीडीओ, कृषि अधिकारी और सभी सहयोगियों द्वारा महत्वपूर्ण योगदान दिया जा रहा है, जो मशीनों हेतु पर्याप्त मात्रा में डीजल की प्रतिदिन आपूर्ति और प्रातः से देर रात्रि तक चल रहे इस कार्य में पर्यवेक्षण के साथ नियंत्रण भी रख रहे हैं. प्रतिदिन लगभग 70 हजार क्युबिक मीटर मिट्टी निकाली जा रही है जो किसानों को उनके खेतों में बिछाने हेतु दी जा रही है.

लगातार सूखे से पीड़ित यह जिला पूरे वर्ष हरा भरा रहे, ग्रामजन और किसान आत्महत्याएँ करने को मजबूर न हों, इस कल्पना को मूर्तरूप देने का कार्य बीजेएस के संस्थापक श्री शांतीलालजी मुथ्था के नेतृत्व में प्रगति कर रहा है.



'हम बने- तुम बने, एक दूजे के लिए' 'आपसी विश्वास ही सच्चा प्यार' - श्री प्रफुल्ल पारख

विवाह उपरांत युगलों के जीवन में तीन Stages आते हैं. प्रथम है 'Romance Stage' जो विवाह के साथ ही प्रारम्भ होता है तथा प्रथम शिशु के जन्म तक रहता है. यह काल वैवाहिक जीवन का सर्वाधिक छोटा काल होता है. द्वितीय है 'Practical Stage' जो प्रथम शिशु के जन्म से प्रारम्भ होती है और उनकी संतानों के विवाह सम्पन्न होने तक रहती है. यह काल वैवाहिक जीवन का सर्वाधिक लंबा काल होता है. वैवाहिक जीवन में तृतीय है 'Maturity Stage' है. जो दादा-दादी,नाना-नानी बनने से शुरू होता है. वैवाहिक जीवन के इन तीनों Stages को समझते हुए जो Romance Stage में Romance, Practical Stage में Practical तथा Maturity Stage में Maturity के साथ जीवन व्यतीत करते है वे ही सफल एवं सुखी दाम्पत्य जीवन का उपभोग करते हैं.

भारतीय जैन संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री प्रफुल्ल पारख ने इंदौर में 'एक दूजे के लिए' विषय पर 11 मार्च को 1000 से अधिक महिला व पुरुषों से खचाखच भरे रवींद्र नाट्य गृह में सभा को संबोधित किया. आपने कहा कि विवाह मात्र होने से सुखी जीवन नहीं चलता. इसमें समझ, सुरक्षा, प्रेम, केयर, धैर्य, त्याग आदि बहुत जरुरी है. विवाह सात जन्मों का बंधन है. साथ मे रहना, स्वयं खुश रहना और परिवारजन को खुश रखना, ये भगवान की नेमत है. उन्होंने बताया कि पति-पत्नि में विश्वास ही सच्चे प्रेम का पर्याय है. सच्चे प्यार में आधिपत्य एवं डर का कोई स्थान नहीं है. अपने बड़ों से जैसा आप व्यवहार करेंगे, आपकी संताने भी आपके साथ आने वाले समय में वैसा ही व्यवहार करेगी.

शहर के विभिन्न जैन संगठनों - जैन सोश्यल ग्रुप, जैन श्वेताम्बर सोश्यल ग्रुप, दिगम्बर जैन सोश्यल ग्रुप के अध्यक्ष और पदाधिकारियों का इस सफल आयोजन हेतु अभिनन्दन किया गया. कार्यक्रम के मुख्य सूत्रधार थे बीजेएस के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री वीरेन्द्र कुमार जैन. संचालन श्रीमती रेखा जैन ने किया.





बीजेएस परिचय सम्मेलनों का आयोजन



दिनांक - 11 मार्च, 2018, इंदौर (म.प्र.), प्रतिभागी - 476
आयोजक – भारतीय जैन संघटना, आगम,इंदौर



दिनांक - 18 मार्च, 2018, जोधपुर (राजस्थान), प्रतिभागी-170
आयोजक – भारतीय जैन संघटना, जोधपुर

'व्यवसाय विकास कार्यक्रम'- बदलोगे तो बढ़ोगे:

मार्गदर्शक: **श्री राकेश जैन 'प्रखर'**, इंदौर, आयोजक भारतीय जैन संघटना, छत्तीसगढ़


बिजनेस गुरु ने व्यापार करने के बताए टिप्स

1. 24 मार्च – खरियार रोड (छत्तीसगढ़)
2. 24 मार्च – महासमुंद (छत्तीसगढ़)
3. 25 मार्च – रायपुर (छत्तीसगढ़)
4. 26 मार्च – कोंडागांव (छत्तीसगढ़)
5. 26 मार्च – राजिम (छत्तीसगढ़)



मध्यप्रदेश में 'अल्पसंख्यकता के लाभ एवं अधिकारों' पर कार्यक्रम



भारतीय जैन संघटना में अल्पसंख्यक विषय के राष्ट्रीय संयोजक श्री निरंजन जुवां जैन, अहमदाबाद ने 11 मार्च को जावरा में 'अल्पसंख्यकता के लाभ एवं अधिकारों' पर समाज के कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षक बनाने हेतु प्रशिक्षण प्रदान किया, रीजनल चेयरमेन श्री सुनील पटेल, नीमच साथ में थे.



22 अप्रैल, 2018 को इंदौर (मध्यप्रदेश) में आयोजित होने वाले FJEI राज्य अधिवेशन की पूर्ण तैयारियों हेतु 30 मार्च को इंदौर में आयोजित सभा में श्री निरंजन जुवां जैन,अहमदाबाद ने जैन शिक्षण संस्थाओं के संवैधानिक अधिकारों व लाभों पर व्यक्तव्य दिया.





महावीर जयंती के अवसर पर बीजेएस नीमच द्वारा रीजनल चेयरमेन श्री सुनील पटेल के सानिध्य में जैन स्थानक में कार्यक्रम स्थल पर डेस्क लगाकर 'अल्पसंख्यकता के लाभ एवं अधिकारों' पर प्रत्यक्ष जानकारी प्रदान की गई.

बीजेएस मैसूर (कर्नाटक) का 'विद्यादान'

'विद्यादान' योजना में पुरानी पाठ्य पुस्तकों का संग्रह कक्षा 1 से 12 वीं के विद्यार्थियों से कर इन पुस्तकों को उन विद्यार्थियों में वितरित किया जाता है जो पुस्तके खरीदने में असमर्थ हैं. ज्ञातव्य रहे कि यह योजना गत वर्ष प्रारम्भ की गई थी व 100 से अधिक पुस्तकों का संग्रहण एवं वितरण संयोजिका निशा जैन, मैसूर के नेतृत्व में हुआ था.

इस वर्ष 1 अप्रैल से पाठ्य पुस्तक संग्रहण का कार्य प्रारम्भ हुआ जो 22 अप्रैल, 2018 तक चलेगा. श्री प्रकाश गुलेचा, अध्यक्ष, भारतीय जैन संघटना मैसूर ने बतलाया कि गत वर्ष के परिणामों से उत्साह प्राप्त कर विद्यादान योजना प्रतिवर्ष समाज के सहयोग से समाज हेतु संचालन करने का निर्णय लिया गया हैं.

पृष्ट 3 से आगे... **मंथन: महावीर को नारों में नहीं व्यवहार में जियें ...**

महाराष्ट्र के मेलघाट व कोसबड क्षेत्रों के 700 से अधिक कुपोषित आदिवासी बच्चें व आत्महत्याग्रस्त किसान परिवारों के 650 से अधिक बच्चों का भी पुनर्वसन पुणे के भारतीय जैन संघटना शैक्षणिक पुर्नवसन प्रकल्प में किया गया. इस पुर्नवसन प्रकल्प में बंच्चों को शिक्षा के साथ-साथ उनके निवास, पालन-पोषण, आरोग्य, खेलकूद, व्यायाम आदि की सम्पूर्ण व्यवस्थाएं की गयी हैं. इस तरह शिक्षादान के क्षेत्र में बीजेएस गत 3 दशकों से रचनात्मक कार्य कर रहा है.

परस्परोपग्रहो जीवानाम्

जैन प्रतीक में अंकित 'परस्परोपग्रहो जीवानाम्' का अर्थ है - सभी प्राणियों की आपसी सहायता. महाराष्ट्र पिछले लगभग 5 वर्षों से सूखे की चपेट में है. ऐसी विकट परिस्थिति में वर्ष 2013 में बीजेएस ने परस्पर सहायता की भावना से 117 सूखे तालाबों को मात्र 1 माह में गाद (Silt) निकाल कर 20 लाख घन फुट अतिरिक्त जल क्षमता का निर्माण किया व 20 लाख घन फुट उपजाऊ मिटटी जो तालाबों से निकली वह बंजर खेतों में बिछाई गयी, जिससे जमीन की उपजाऊता में वृद्धि हुई. वर्ष 2017 में सूखा मुक्ति अभियान में 339 गाँवों में 400 से अधिक जेसीबी व पोकलेन जैसी भारी मशीनों से सहायता की गयी. इस वर्ष महाराष्ट्र के बुलडाणा जिले के 1000 से अधिक गांवों में सभी पानी स्त्रोतों को गहरा करने, साफ़ करने, निर्माण करने का कार्य प्रगति पर है. इस हेतु भारतीय जैन संघटना ने 134 जेसीबी व पोकलेन मशीनों को खरीदकर कार्य पर लगाया है. इसी तरह महाराष्ट्र के 24 जिलों के 75 तालुकाओं के 3000 गाँवों में खुदाई कार्य के लिए मशीनों की सेवाएँ बीजेएस द्वारा सुलभ कराई जा रही हैं. इतने व्यापक स्तर पर मौलिक कार्य किसी स्वयंसेवी संस्था द्वारा किया जाना अपने आप में एक मिसाल है.

परोपकार

जैन समुदाय एक परोपकारी समुदाय है. झोपड़ पट्टी व जरूरतमंद परिवारों के बच्चों में विटामिन की कुछ कमी की वजह से कटे-फटे होठ, आँखों का तिरछापन व चेहरे पर दाग-धब्बे पाए जाते हैं. बीजेएस वर्ष 1991 से लगातार आज तक प्लास्टिक सर्जरी शिविरों का आयोजन कर ऐसे परिवार व बच्चों की मदद कर रहा है. अब तक 2.50 लाख से अधिक जरुरतमंदों को प्लास्टिक सर्जरी के माध्यम से ठीक कर उन्हें सम्मानित जीवन देने का परोपकारी कार्य किया है.

अल्पसंख्यक लाभों को जैन समाज के जरूरतमंद परिवारों तक पहुंचाने तथा बड़े स्तर पर विद्यार्थियों को छात्रवृत्तियां दिलवाने का परोपकारी कार्य भी बीजेएस द्वारा किया जा रहा है.

सामाजिक उत्तरदायित्व के तहत् बीजेएस ने 'स्मार्ट गर्ल' नामक कार्यक्रम तैयार कर पिछले 10 वर्षों में 3 लाख से अधिक देश की युवा बेटियों को 21वीं शताब्दी की सामाजिक चुनौतियों का सामना करने हेतु सक्षम बनाने का कार्य किया, जो निरंतर जारी है.

भ.महावीर के सिद्धांतों की मूल भावना, जिसमें सम्पूर्णतः सामाजिकता छिपी हुई है, भारतीय जैन संघटना वर्तमान सामाजिक सन्दर्भों में मात्र उन्हें उजागर ही नहीं कर रहा अपितु चरितार्थ भी कर रहा है. आज समाज व राष्ट्र निर्माण में जैन समुदाय की प्रबल भूमिका आवश्यक है जिससे भ.महावीर की कल्याणमयी विश्व की संकल्पना को मूर्त रूप प्राप्त हो सके.



भारतीय जैन संघटना के आगामी परिचय सम्मेलन

कोल्हापुर (महाराष्ट्र)

दिनांक –22 अप्रैल, 2018, रविवार
पंजीयन की अंतिम तिथि –15 अप्रैल, 2018
पंजीयन हेतु संपर्क –7385219677

सिकंदराबाद (तेलांगना)

पुर्नविवाह परिचय सम्मेलन
दिनांक – 29 अप्रैल, 2018, रविवार
पंजीयन की अंतिम तिथि – 15 अप्रैल, 2018
पंजीयन हेतु संपर्क –9440668868

नाशिक (महाराष्ट्र)

दिनांक – 27 मई, 2018, रविवार
पंजीयन की अंतिम तिथि –20 मई, 2018
पंजीयन हेतु संपर्क –9823644114

उपरोक्त परिचय सम्मेलनों हेतु ऑनलाईन पंजीयन –http://bjsmm.bjsapps.com पर करें

"भारतीय जैन संघटना समाचार" के स्वामित्व एवं अन्य विवरण के सम्बन्ध में घोषणा

फार्म 4 (नियम 8 देखिये)

1. प्रकाशन का स्थान	:	मुथ्था चेम्बर्स-II, सेनापति बापट रोड, पुणे – 411016 (महाराष्ट्र)
2. प्रकाशन अवधि	:	मासिक
3. मुद्रक का नाम	:	प्रफुल्ल पारख (भारतीय जैन संघटना के लिए)
(क्या भारतीय नागरिक है)	:	हाँ
(यदि विदेशी है तो मूल देश)	:	–
पता	:	श्रीधर कोआपरेटिव हाउसिंग सोसायटी, फ्लेट न.11, 3rd फ्लोर, DSK Toyota शो-रूम,मॉडल कालोनी, पुणे – 411016 (महाराष्ट्र)
4. प्रकाशक का नाम	:	प्रफुल्ल पारख (भारतीय जैन संघटना के लिए)
(क्या भारतीय नागरिक है)	:	हाँ
(यदि विदेशी है तो मूल देश)	:	–
पता	:	श्रीधर कोआपरेटिव हाउसिंग सोसायटी, फ्लेट न.11, 3rd फ्लोर, DSK Toyota शो-रूम,मॉडल कालोनी, पुणे – 411016 (महाराष्ट्र)
5. संपादक का नाम	:	प्रफुल्ल पारख (भारतीय जैन संघटना के लिए)
(क्या भारतीय नागरिक है)	:	हाँ
(यदि विदेशी है तो मूल देश)	:	–
पता	:	श्रीधर कोआपरेटिव हाउसिंग सोसायटी, फ्लेट न.11, 3rd फ्लोर, DSK Toyota शो-रूम,मॉडल कालोनी, पुणे – 411016 (महाराष्ट्र)
6. उन व्यक्तियों के नाम व पते जो समाचार पत्र के स्वामी हो तथा समस्त पूंजी के एक प्रतिशत से अधिक के साझेदार या हिस्सेदार हो	:	-------

मै प्रफुल्ल पारख एतद व्दारा घोषित करता हूँ कि मेरी अधिकतम जानकारी एवं विश्वास के अनुसार ऊपर दिए गए विवरण सत्य है |

दिनांक : 28.02.2018

प्रफुल्ल पारख
प्रकाशक के हस्ताक्षर

To,

RNI No.-MAHBIL/2016/66409
Postal Registration No.-PCE / 089 / 2016-2018
License to Post without prepayment No.-WPP-255/31.12.2018
Post Customer ID 4000004011
Published on 07.04.2018
Posted at Market Yard PSO, Pune On-10.04.2018

If undelivered Please Return To

BJS
Bharatiya Jain Sanghatana

Muttha Chambers II, Senapati Bapat Road, Pune 411016
Tel. : 020 6605 0220
Website: www.bjsindia.org **Email :** info@bjsindia.org **Facebook :** www.facebook.com / BJSIndiacommunity **Tweeter :** BJS_India

मुद्रक तथा प्रकाशक – प्रफुल्ल पारख द्वारा भारतीय जैन संघटना के लिये प्रभात प्रिंटिंग वर्क्स, 427, गुलटेकड़ी, पुणे – 411037 से मुद्रित तथा मुथ्था चेम्बर्स -२ , सेनापति बापट मार्ग, पुणे – 411016 से प्रकाशित. सम्पादक – प्रफुल्ल पारख, फ़ोन – (020) 6605 0220